दोनों दृष्टियों से यह परिस्थिति देश के लिये बड़ी चिन्ताजनक है और मैं सरकार से कहूंगा कि इस संबंध में वह अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करे। अगर वह क्षेत्र भारत के नहीं है, पाकिस्तान के है, तो हमारी सेना वहां से हटनी चाहिये। लेकिन तब भी सरकार को यह स्पष्ट करना होगा कि अभी तक हमारी सेना वहा क्यों रही? मुझे दूसरा डर है कि वह क्षेत्र हमारा है लेकिन अब पाकिस्तान के दबाव मे आकर हम अपने क्षेत्र पाकिस्तान को सौपने जा रहे है। क्या यह प्रधान मंत्री महोदया की वाशिंगटन, लंदन और रूस की यात्रा का परिणाम है? मुझे विश्वास है सरकार दबाव में नहीं आएगी। लेकिन सरकार ने इस प्रश्न पर जो रवैया अपनाया है उससे हमारे मन में गम्भीर आशंकाएं पैदा हुई है। सरकार को अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए मै आशा करूंगा, मंत्री महोदय राज्य सभा की बैठक समाप्त होने से पहले कल इस मामले में वक्तव्य देंगे और किसी तरह की गलतफहमी किसी भी क्षेत्र मे नहीं रहने देंगे।

ALLEGED MURDER OF A PERSON IN LUDHIANA

श्री जगत नारायण (पंजाब): सभापति जी, मैंने आपको एक काल एटेन्शन नोटिस की तहरीक दी है। अर्ज यह है कि 18 मार्च को इस हाउस में पानीपत की दर्दनाक हालत के मुताल्लिक कुछ खयालात का इजहार हुआ था। उसी तरह की ही एक खबर 3 अप्रैल के पंजाब के चंद अखबारात में छपी है। वह खबर सभापति जी, इस तरह की है कि वहा 16 तारीख को जब कि "एन्टी पंजाबी सूबा एजिटेशन" चल रहा था और लुधियाना शहर में कर्फ्यू लगा हुआ था और पुलिस की गोलियां चल रही थीं तो एक आदमी की लाश को लेकर शाम के छ: बजे पांच छ: पुलिस कांस्टेबल श्मशान भूमि में ले गए। उस लाश को अस्पताल मे नहीं ले गये, उसका पोस्टमार्टम नहीं कराया, उसकी रिश्तेदारों में शिनाख्त नहीं कराई, म्यूनिसिपैलिटी के रजिस्टर में इंदराज नहीं किया, कोई बात नहीं की और सीधे श्मशान भूमि में ले गए और जला डाला। मैंने जो नोटिस भेजा है उसमें श्मशान भूमि मे लाश को जलाने के बाद जो इंदराज होता है उसको पेश किया है। उसमे उन कांस्टेबल्स के नाम लिखे हुए है, उनके नम्बर लिखे हुए है। उन्होंने कहा यह ना मालूम था इसलिये हमने जला दिया है। आज तक जो रवायात चली आती है वह यह है कि कोई भी ऐसी लाश हो उसका पोस्टमार्टम कराया जाता है, म्यूनिसिपैलिटी के रजिस्टर में इंदराज कराया जाता है। जो आदमी उस लाश को डिसपोज़ आफ करने ले गये, एलीगेशन यह है कि उसको पहले मारा गया बगैर किसी आर्डर के, फिर उसे बजाय अस्पताल में ले जाने के सीधे श्मशान मे ले जा कर जला डाला गया। तो मै मिनिस्टर साहब से दरख्वास्त करूंगा कि इस हाउस के विसर्जन होने से पहले इस मामले में रोशनी डालें कि यह सारा कैसे हुआ।

ALLEGED STARVATION DEATHS IN ORISSA

SHRI LOKANATH MISRA (Orissa): With your permission I would like to raise a matter of grave concern. In this House, in reply to a supplementary question the Minister of Food and Agriculture said that there was no starvation death in Orissa. I have given a motion calling the attention of the Minister of Agriculture to a news reported in one of the national newspapers which says that there have been nine deaths in the district of Kalahandi due to prolonged undernourishment and malnutrition. This is a statement by the Deputy Minister of the Orissa Government. I do not differentiate between death by malnutrition and starvation. The Government seems to put an imaginary border line between the two. There is almost no line. I would like the hon. Minister of Food to admit frankly that there